	ॐ ह्रीं श्रीं श्री आदिनाथाय नमः				ॐ ह्रीं श्रीं श्री शान्तिनाथाय नमः				ॐ ह्रीं श्रीं श्री नेमिनाथाय नमः	
	ॐ ह्रीं श्रीं श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथाय नमः		ॐ ह्रीं श्रीं श्री महावीरस्वामिने नमः				ॐ ह्रीं श्रीं श्री पुंडरीकस्वामिने नमः				ॐ ह्रीं श्रीं श्री गौतमस्वामिने नमः	
	ॐ ह्रीं श्रीं श्री सिद्धि-मेघ-भुवन-जम्बू-देवभद्र-धर्मचन्द्रविजयजी सद्गुरुभ्यो नमः	

मरुधर देशे श्री आदिनाथ दादा की छत्रछाया में
श्री ऋषभदेव जिन मंदिर तीर्थ, अंटाली की पावन पुण्य धरा पर
चार चार मुमुक्षुओं की
परम पावनी पारमेश्वरी प्रव्रज्या

* रजोहरण प्रदाता *

दर्शन प्रभावक,आगमप्रज्ञ सद्गुरुदेव मुनिराज
श्री जम्बू-धर्मचन्द्र शिशु आचार्य भगवंत
श्री पुंडरीकरत्नसूरिजी महाराजा

सिद्धि-समर्पण यात्रा

भावभरा हार्दिक
आमंत्रण

भागवती प्रव्रज्या
वि.सं.२०८१, फाल्गुन सुदि-३
02-03-25
SUNDAY

निमंत्रक - सिद्धि-जम्बू परिवार एवं जैन श्रावक संघ, अंटाली (राज.)

Divya Krupa
दिव्य कृपा

वचनसिद्ध, सहस्त्राधिक दीक्षादाता, दृढ़ संकल्पी प.पू. आ.भ. **श्री सिद्धिसूरीश्वरजी (बापजी) म.सा.**;
गम्भीर देशनादक्ष प.पू.आ.भ. **श्री मेघसूरीश्वरजी म.सा.**, स्वाध्यायप्रेमी प.पू. मुनिराज **श्री भुवनविजयजी म.सा.**,
प.पू. आगमप्रज्ञ सद्गुरुदेव **श्री जम्बूविजयजी म.सा.**, शान्त स्वभावी प.पू. मुनि **श्री देवभद्रविजयजी म.सा.**;
गुरुकृपापात्र सेवाभावी प.पू. गुरुदेव **श्री धर्मचन्द्रविजयजी म.सा.**, वैयावच्चप्रेमी प.पू. मुनि **श्री नमस्कारविजयजी म.सा.**;
जापनिष्ठ प.पू. वयोवृद्ध मुनिराज **श्री हिमवंतविजयजी म.सा.** तथा
दर्शनप्रभावक प.पू. सद्गुरुदेव **श्री जम्बूविजयजी म.सा.** की संसारी मातुश्री
शतवर्षाधिकायु, संघमाता साध्वीजी **श्री मनोहरश्रीजी म.सा.**, गुरुकुलसेवी प.पू. साध्वीजी **श्री सूर्यप्रभाश्रीजी म.सा.**;
सेवाभावी प.पू. साध्वीजी **श्री सिद्धिपूर्णाश्रीजी म.सा.**, जापमग्ना प.पू. साध्वीजी **श्री आत्मदर्शनाश्रीजी म.सा.**

Pavan Nishradata
पावन निश्रादाता

प.पू. सूरिमंत्र समाराधक आचार्य भगवंत
श्री पुंडरीकरत्नसूरिजी महाराजा
प.पू. पंन्यास प्रवर **श्री धर्मघोषविजयजी म.सा.**
प.पू. मुनि **श्री महाविदेहविजयजी म.सा.**
प.पू. मुनि **श्री कीर्तिधर्मविजयजी (बालमुनि) म.सा.**
प.पू. मुनि **श्री महाशालविजयजी म.सा.**
(मुमुक्षु के पुत्र महाराज एवं अंटाली के लाडले)
प.पू. मुनि **श्री जयकारविजयजी म.सा.**

Shubhankar Ashirwad
शुभंकर आशीर्वाद

गच्छनायक भक्तियोगाचार्य प.पू.आ.भ. श्री यशोविजयसूरीश्वरजी महाराजा
शास्त्र संशोधक प.पू.आ.भ. श्री मुनिचंद्रसूरीश्वरजी महाराजा
सद्गुरुचरणोपासक प.पू.आ.भ. श्री राजपुण्यसूरीश्वरजी महाराजा
प्रवचन प्रभावक प.पू.आ.भ. श्री भाग्येशविजयसूरीश्वरजी महाराजा
प्रभुभक्तिरसिक प.पू.आ.भ. श्री महायशविजयसूरीश्वरजी महाराजा
युवा आचार्य प.पू.आ.भ. श्री नररत्नसूरीश्वरजी महाराजा
सहजानंदी प.पू.आ.भ. श्री हेमसुंदरसूरीश्वरजी महाराजा
निजानंदि प.पू.आ.भ. श्री कल्पज्ञविजयसूरीश्वरजी महाराजा

Upsthit Shramnivand Nishra
उपस्थित श्रमणीवृंद निश्रा

साध्वी जी श्री सूर्य-प्रभात्मशिशू
प.पू. साध्वी **श्री जिनेन्द्रप्रभाश्रीजी म.सा.**
प.पू. सा. श्री मैत्रीपूर्णाश्रीजी म.सा.,
प.पू. सा. श्री पूर्णधर्माश्रीजी म.सा. (मुमुक्षु सूर्याबेन के पुत्री म.सा.)

Paroksha Upasthiti
परोक्ष उपस्थित एवं आशीर्वाद

प.पू. सा. श्री अक्षयरत्नाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा * प.पू. सा. श्री जिनरक्षिताश्रीजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू. सा. श्री सत्यरेखाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा * प.पू. सा. श्री शुभोदयाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू. सा. श्री कलावतीश्रीजी म.सा. आदि ठाणा * प.पू. सा. श्री पुण्यवतीश्रीजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू. सा. श्री भाववर्धनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा * प.पू. सा. श्री भाग्यपूर्णाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू. सा. श्री संयमपूर्णाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा * प.पू. सा. श्री दिव्यदर्शनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा

॥ ॐ ह्रीं श्रीं श्री आदिनाथाय नमः॥ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं श्री शान्तिनाथाय नमः॥ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं श्री नेमिनाथाय नमः ॥
॥ ॐ ह्रीं श्रीं श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथाय नमः ॥ॐ ह्रीं श्रीं श्री महावीरस्वामिने नमः॥ ॥ॐ ह्रीं श्रीं श्री पुंडरीकस्वामिने नमः॥ ॥ॐ ह्रीं श्रीं श्री गौतमस्वामिने नमः ॥
॥ ॐ ह्रीं श्रीं श्री सिद्धि-मेघ-भुवन-जम्बू-देवभद्र-धर्मचन्द्रविजयजी सद्गुरुभ्यो नमः ॥

मरुधर देशे श्री आदिनाथ दादा की छत्रछाया में
श्री ऋषभदेव जिन मंदिर तीर्थ, अंटाली की पावन पुण्य धरा पर
चार चार मुमुक्षुओं की परम पावनी पारमेश्वरी प्रव्रज्या में पधारने हेतु

भावभरा आमंत्रण

सिद्धि समर्पण यात्रा के पथिक

भोपाल निवासी
श्रीमती नीलमदेवी इंद्रचंद्रजी
डागा परिवार के कुलदीपक
मुमुक्षु रत्न नीलेशजी डागा

भोपाल निवासी
श्रीमती नीलमदेवी इंद्रचंद्रजी
डागा परिवार की कुलवधु
एवं नाहर परिवार की कुलदीपिका
मुमुक्षु रत्ना नीता नीलेशजी डागा

✻ रजोहरण प्रदाता ✻

दर्शन प्रभावक, आगमप्रज्ञ सद्गुरुदेव मुनिराज
श्री जम्बू-धर्मचन्द्र शिशु, आचार्य भगवंत
श्री पुंडरीकरत्नसूरिजी महाराजा

दीक्षा महोत्सव प्रारंभ
वि.सं.२०८१ फाल्गुन सुदि-१
28-02-25
FRIDAY

भागवती प्रव्रज्या
वि.सं.२०८१ फाल्गुन सुदि-३
02-03-25
SUNDAY

सिद्धि समर्पण यात्रा के पथिक

भोपाल निवासी
श्रीमती नीलमदेवी इंद्रचंद्रजी
डागा परिवार की कुलदीपिका
मुमुक्षु रत्ना खुशी नीलेशजी डागा

पंचासर निवासी
चंदुलाल मफतलाल शाह
की पुत्रवधु मुमुक्षु रत्ना
सूर्याबेन वसन्त भाई शाह

निमंत्रक - सिद्धि-जम्बू परिवार एवं जैन श्रावक संघ, अंटाली (राज.)

अष्टादश हि भाषाज्ञं, नैकागम संशोधकम्।
जिनाज्ञापालने रक्तं, सदात्मसाधनापरम् (दिक्षार्थिहृदये स्थितम्) ।।1।।
हृत्कजे पार्श्वनाथस्थं, जिनशासनरत्नकम्।
परोपकारदाक्षिण्यं, रागद्वेषविवर्जितम्।।2।।
स्वाध्यायरसनिमग्नं, नैकगुणसमन्वितम्।
श्रीजम्बूविजयं वन्दे, सुभावपूर्वकं मुदा।।3।।

अज्ञानतिमिरान्धानं, ज्ञानाञ्जनशलाकया,
नेत्रमुन्मिलितं येन तस्मै श्री गुरुवे नमः।।

प.पू. गुरुदेव का संक्षिप्त परिचय

नाम	:	प्रकाशभाई पारेख
पिता	:	बाबुलालजी पारेख
माता	:	लीलाबेन पारेख
जन्म	:	दि. 08-12-1955 (मुंबई)
वतन	:	कुंभण (सौराष्ट्र)
दीक्षा	:	महा सुदि 10, दि. 28-01-1988 (पालीताणा तीर्थ)
समुदाय	:	प.पू. आ.भ. श्री सिद्धिसूरीश्वरजी (बापजी) म.सा.
दीक्षा दाता	:	प.पू. मुनिराज श्री जम्बूविजयजी म.सा.
दीक्षा गुरु	:	प.पू. मुनिराज श्री धर्मचन्द्रविजयजी म.सा.
दीक्षा नाम	:	प.पू. मुनि श्री पुंडरीकरत्नविजयजी म.सा.
गणि-पंन्यास पद	:	आसोज वदि 4, दि. 18-01-2008 (पालीताणा तीर्थ)
पदवी प्रदाता	:	प.पू. आ.भ.श्री अशोकसागरसूरिजी म.सा. एवं सद्गुरुदेव मुनिराज श्री जम्बूविजयजी म.सा.
आचार्य पदवी	:	फाल्गुन सुदि 3, दि. 26-02-2020 (सुरत)
पदवी प्रदाता	:	प.पू. भक्तियोगाचार्य श्री यशोविजयसूरिजी महाराजा

अनुपम अनमोल अवसर

सोने में सुगंध

प.पू. सरलस्वभावी, जम्बू-धर्मचन्द्रशिशु
आ.भ. **श्री पुण्डरीकरत्नसूरीश्वरजी म.सा.**
का फाल्गुन सुदि 3, दिनांक 2-3-2025 को
आचार्य पदवी के 6 ट्वे वर्ष में
प्रवेश होने जा रहा है।
सकल श्रीसंघ-सिद्धि-जम्बू परिवार की तरफ से
वंदन-अभिनंदन-शुभकामनाएँ एवं
आचार्य पदवी दिवस पर पधारने हेतु

हार्दिक आमंत्रण

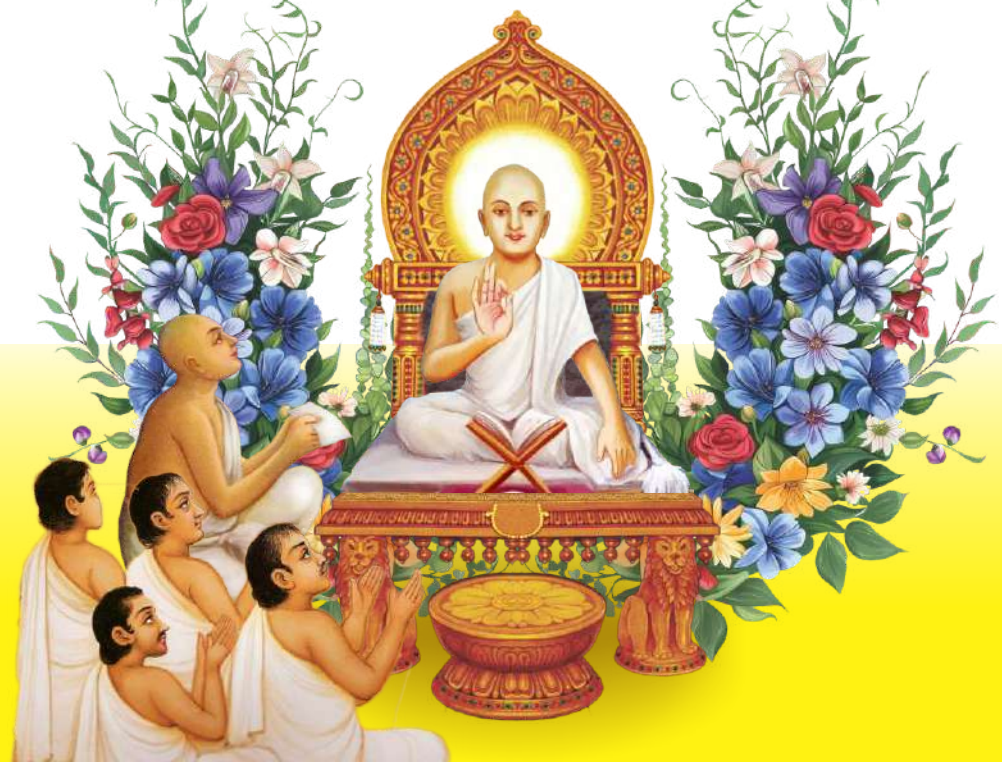

मरुधर देशे श्री आदिनाथ दादा की छत्रछाया में
श्री ऋषभदेव जिन मंदिर तीर्थ, अंटाली की पावन पुण्य धरा पर
चार चार मुमुक्षुओं की परम पावनी पारमेश्वरी प्रव्रज्या में पधारने हेतु

सिद्धि समर्पण यात्रा

भावभरा हार्दिक आमंत्रण

जिनशासन प्रेमी संयमानुरागी श्राद्धवर्य

सादर जयजिनेन्द्र सह प्रणाम...

परमकृपालु आदिनाथ दादा की असीम कृपा से हमारे परिवार के कुलदीपक भोपाल निवासी श्रीमती नीलमदेवी इन्द्रचन्द्रजी डागा के सुपुत्र मुमुक्षु नीलेशजी डागा, हमारे परिवार की पुत्रवधु एवं नाहर परिवार की कुलदिपीका मुमुक्षु नीतादेवी नीलेशजी डागा, एवं हमारे परिवार की सुपौत्री मुमुक्षु खुशी डागा परमात्मा महावीर के द्वारा बताए गये चारित्र पथ पर अग्रसर होने जा रहे हैं। उनके इस उमंग उत्साह से भरपूर भावों को देखकर हमारा परिवार आज हर्ष से नाच उठा है। हमारे परिवार के तीन-तीन और महान पुण्यात्माओं को प्रभुवीर के पंथ पर चलने हेतु अनुमति देते हुए हम गर्व महसूस कर रहे हैं।

वीतरागदेव एवं गुरुदेव के आशीर्वाद से आप सभी का मार्ग निष्कंटक बने एवं मोक्ष मार्ग की ओर आगे बढ़ें तथा स्व-पर का कल्याण करें।

इन्हीं भावनाओं के साथ हमारा डागा परिवार एवं नाहर परिवार समस्त श्री संघ को इस महोत्सव को भव्य बनाने हेतु हार्दिक आमंत्रित करता है।

निमंत्रक
समस्त डागा परिवार एवं नाहर परिवार
भोपाल (म.प्र.)

जिनशासन प्रेमी संयमानुरागी श्राद्धवर्य

सादर प्रणाम सह जय जिनेन्द्र !

हमारे श्री संघ में लोक लाडले, कर्मठ कार्यकर्ता, संघ सेवक ऐसा डागा परिवार एवं पंचासर (गुजरात) निवासी मुमुक्षु सूर्याबेन बसंतभाई शाह की भागवती दीक्षा का अनूठा अवसर आया है। इस महाभिनिष्क्रमण के हम साक्षी बनने जा रहे हैं, उनके इस दृढ़ निश्चय का स्वागत करने हेतु समस्त अंटाली श्रावक जैन संघ अत्यंत उत्साहित है।

अतः संयम मार्ग पर जा रही इन पुण्यात्माओं को आशीर्वाद देने हेतु आप सभी अवश्य पधारें।

निमंत्रक
जैन श्रावक संघ, अंटाली

આત્મીયતા પૂર્વક

આમંત્રણ

દેવગુરુ ધર્મારાધક શ્રેષ્ઠીવર્ય શ્રી.

પંચાસર નગર નિવાસી **ચંદુલાલ મફતલાલ પરિવારના** સબહુમાન પ્રણામ સ્વીકારશોજી. અમારા પરિવારના મહાન પુણ્યોદયે પરિવારમાંથી ચોથી દીક્ષાની પુણ્યવંતી પળ આવી છે... **અમારી સુપુત્રી પ્રીતિબેન વસંતભાઈ શાહ આજથી ૩૦ વર્ષ પહેલાં સંયમયાત્રામાં જોડાયા હતા.** તેમની સતત્ પ્રેરણાથી સુશ્રાવક **વસંતભાઈ ચંદુલાલ** ના ધર્મપત્ની **સૂર્યાબેન** જીવનની ઢળતી સંધ્યાએ ભગવાન મહાવીરના માર્ગે પ્રયાણ કરવાને નીકળી રહ્યા છે. ત્યારે આપના અંતરના આશીર્વાદ વરસાવવા સહકુટુંબ પધારવા આપને **આત્મીયતા પૂર્વક આમંત્રણ** છે.

★ શુભ નિશ્રા ★

શ્રી જંબૂ-ધર્મચંદ્ર શિશુ આ.ભ.
શ્રી પુંડરીકરત્નસૂરિજી મ.સા. એવં
સા. શ્રી જિનેન્દ્રપ્રભાશ્રીજી મ.સા.

★ શુભેચ્છક ★

શ્રી વસંતલાલ ચંદુલાલ પરિવાર

★ શુભ સ્મરણ ★

પૂ. બાપજી મ.સા.ના સમુદાયના
સા.શ્રી શાશ્વતપ્રજ્ઞાશ્રીજી મ.સા.
સા.શ્રી જીતપ્રજ્ઞાશ્રીજી મ.સા.

* નિમંત્રક *

શાહ ચંદુલાલ મફતલાલ પરિવાર

મુમુક્ષુનો પરિચય

માતા-પિતા	:	શકરીબેન મણીલાલ દોશી
સુશ્રાવક	:	વસંતભાઈ ચંદુલાલ શાહ
સુપુત્રો	:	પંકજભાઈ, મેહુલભાઈ
પુત્રવધુ	:	સેજલબેન, હેતલબેન
પુત્રી	:	બેલાબેન અશ્વિનભાઈ ગાંધી
પૌત્ર-પૌત્રી	:	મિત, યશ, રીયા, વિધિ, ધ્રુવી
પૌત્રવધુ	:	ભવ્યા
દોહિત્ર	:	અર્હમ્
દોહિત્રી	:	રાજવી અભિષેકકુમાર, પૂજા રિધેશકુમાર, અરિહા
જ્ઞાન	:	પંચ પ્રતિક્રમણ, ચાર પ્રકરણ, બે ભાષ્ય.
દર્શન	:	૧૧૯ કલ્યાણક ભૂમિ, પાલિતાણા, ગિરનારજી, નાકોડાજી આદિ તીર્થ.
ચારિત્ર	:	ત્રણ ઉપધાન, છ'રી પાલિત સંઘ યાત્રાઓ, અમદાવાદ થી વાવ, ઉચ્ચોસણ થી શંખેશ્વરજી, ઝીંઝુવાડા થી શંખેશ્વરજી, સુરેલ થી શંખેશ્વરજી, આદરિયાણા થી શખેશ્વરજી, શત્રુંજય, ગિરનાર, નાકોડા વગેરે તીર્થ સ્થાનોંમાં ૨૨ ચાતુર્માસની આરાધના.
તપ	:	માસક્ષમણ, ૮-૯-૧૦ ઉપવાસ, અટ્ઠમો, નવપદ ની ઓળીઓ, વર્ધમાન તપની ઓળીઓ વિગેરે.

દિવ્યલોક થી આશિષ દેતા સ્વજનો તથા સુશ્રાવક વસંતભાઈ અને લાડલો દિકરો મૈહુલ

''ખુટી જશે આકાશના તારા ન ભૂલી શકાય ઉપકાર તમારા...''

સંયમ જીવનના આ પરમ મંગલ અવસરે આપ સૌ દિવ્ય આશિષની એવી હેલી વરસાવજો કે મારો ઉલ્લાસ, સત્ત્વ અને આંતર પરિણતિ સતત ખીલતી રહે...

– આપની પુત્રી, પત્ની અને માતા

''અંતર થી લઈએ ઓવારણા, મળેલા પુણ્યને સફળ બનાવનાર ઓ મુમુક્ષુરત્ના !''

આ માર્ગ વીર પુરુષોનો છે! તમો સંસારના પ્રલોભનોનો ત્યાગ કરી સંયમ માર્ગે સિધાવશો એ અમારા માટે ગૌરવનો વિષય છે જે શ્રદ્ધા ઉલ્લાસથી સંસારમાંથી નિકળી રહ્યા છો, એ શ્રદ્ધા અને ઉલ્લાસને જાગ્રત રાખજો. હંમેશા પ્રસન્ન રહેજો... સ્વ-પરના કલ્યાણને કરજો.... એજ શુભાભિલાષા....

સમસ્ત શ્વસૂર પક્ષ, પિયરપક્ષ તથા મોસાળ પક્ષ

મુમુક્ષુ સૂર્યાબેનના છાબના લાભાર્થી
ઉષાબેન હસમુખભાઈ શેઠ પરિવાર
પંચાસર વાલા

સંયમી ના ઉદ્‌ગાર !

મારા વ્હાલસોયા સંતાનો! ખૂબ મમત્વ હોવા છતાં તમે મને ચારિત્ર અંગીકાર કરવાની અનુમતિ આપી, તે બદલ તમારી હું ઋણી છું તથા પરિવાર જનોનો પણ ખૂબ-ખૂબ ઉપકાર છે. એ ઉપકારોની હું ભવોભવ ઋણી છું. આટલા વર્ષોમાં મારી કંઈ પણ ભૂલ-ચૂક થઈ હોય તો ક્ષમા કરશોજી.

અંતમાં આપ સર્વના અંતરના આશિષ માંગું છું કે મારું મુક્તિનું સ્વપ્ન જલ્દી થી સાકાર બને એજ ઈચ્છા.

– મુમુક્ષુ સૂર્યાબેન

परिवार स्वजनों के हृदयोद्‌गार

आत्मीय नीलेश, नीता एवं प्यारी खुशी !

संसार के सारे भौतिक सुख छोड़कर आप प्रभु के पंथ पर आजीवन चलने के लिये जो भीष्म प्रतिज्ञा लेने जा रहे हैं, उस साहस को देखकर हमारा रोम-रोम हर्ष से उछल रहा है। आपने हमें बिना मांगे जो गौरव दिलवाया है, स्वयं के पुरुषार्थ से जो पहचान बनाई है, उसके लिये आपको हमारा कोटि-कोटि आशीर्वाद है, अभिनंदन है।

स्नेहभरी इस दुनिया को छोड़कर आपने प्रभु-गुरु के पंथ पर जाने का जब संकल्प ले ही लिया है तो बस हम इतना ही कहेंगे कि आप गुरुदेव जंबूविजयजी म.सा. की उज्ज्वल परंपरा को आगे बढ़ाना, उनकी तरह ज्ञान-ध्यान-भक्ति में सदा उद्यमी बनना, जिनशासन को विश्व में रोशन करके स्वयं की साधना में निरन्तर आगे बढ़ते रहना।

बस अन्त में इतना ही कहेंगे कि मानव भव के अन्तिम लक्ष्य मोक्ष को आप शीघ्र ही प्राप्त करें और हमें भी इस मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरणास्त्रोत बनें।

लि. आत्मीय स्वजन

मुमुक्षु नीलेशकुमार का परिवार

दादा-दादी	:	श्रीमती मनोहरदेवी चाँदमलजी डागा
माता-पिता	:	स्व. श्रीमती नीलमदेवी इन्द्रचन्द्रजी डागा
चाचा-चाची	:	श्रीमती चन्दनबालादेवी महेन्द्रकुमारजी डागा
		श्रीमती संध्यादेवी राजेन्द्रकुमारजी डागा
		श्रीमती चन्द्रिकादेवी वीरेन्द्रकुमारजी डागा
सास-ससुर	:	श्रीमती राजकुमारीबाई सरदारमलजी नाहर
बुआ	:	श्रीमती उमरावदेवी भीकमचंदजी छाजेड़
		श्रीमती विमलाबाई त्रिलोकचंदजी तांतेड़
		श्रीमती प्रेमबाई चन्दनमलजी संचेती
		श्रीमती कंचनदेवी प्रेमचंदजी बोथरा
		श्रीमती उषाबाई संतोषजी दर्डा
भैया-भाभी	:	श्रीमती आशादेवी सूर्यकुमारजी डागा
		श्रीमती पारसदेवी विजयकुमारजी डागा
		श्रीमती निशिजी जितेन्द्रकुमारजी डागा
		श्रीमती श्वेतादेवी नितिनकुमारजी डागा
		श्रीमती सीमादेवी नवीनकुमारजी डागा
छोटे भाई-भाभी	:	श्रीमती मंजूदेवी प्रियांकजी डागा
		श्रीमती रानूदेवी हर्षजी डागा
साला साहेबजी	:	श्रीमती शोभादेवी अशोककुमारजी नाहर
बड़े सास-ससुरजी	:	स्व. फुलकंवर रिखबचन्दजी नाहर
चाचा सास-ससुरजी	:	श्रीमती रतनबाई मणिकचन्दजी नाहर
		श्रीमती पुष्पा कमलचन्दजी नाहर
जीजा-जीजी	:	श्रीमती प्रमिलादेवी राजेन्द्रकुमारजी श्रीश्रीमाल
		श्रीमती ललितादेवी बसंतकुमारजी बडोला
		श्रीमती निधि संदीपजी मुणोत
बहन-बहनोई	:	श्रीमती प्राचीदेवी संदीपजी रांका
		श्रीमती हर्षिका सौरभजी कोचर
पत्नी	:	श्रीमती नीतादेवी नीलेश डागा
सांसारिक पुत्र	:	हर्षित डागा (वर्तमान : प.पू. महाशालविजयजी म.सा.)
पुत्री	:	खुशी डागा
भतिजा	:	रोनक डागा, जैनेश, नमन, आयुष नाहर
भतिजी	:	श्रीमती रुचिका सार्थक मोदी, श्रीमती रुपल अग्रि नाहर
		मानवी, आशी डागा, जैनिका, वेदिका, प्रियल नाहर

मुमुक्षु नीलेशकुमार के हृदयोद्गार

नैवास्ति राजराजस्य, तत्सुखं नैव देवदेवस्य,
यत्सुखमिहैव साधोः, लोक व्यापार रहितस्य।।

शास्त्रकार भगवंतों द्वारा साधु जीवन के सुख की व्याख्या बहुत ही मार्मिक शब्दों में बताई गई है।

"जो सुख लोक व्यापार से रहित साधु भगवंतों को इस लोक में है, वो सुख राज राजेश्वर चक्रवर्ती आदि इन्द्र–नरेन्द्रों को भी नहीं है।"

अनेक राज राजेश्वर अनेक चक्रवर्ती के द्वारा स्वीकृत अनेक इन्द्रों के द्वारा इच्छित–वंदित ऐसे संयम जीवन को, मेरे गुरुदेव प.पू.आ.भ. सिद्धि–जम्बू–धर्मचन्द्र गुरु कृपा प्राप्त आचार्य श्री पुंडरीकरत्नसूरिजी की असीम कृपा से संसार के समस्त मोह ममत्व का त्याग करने हेतु, सम्यग् दर्शन को अंतर्मन में स्थिर करने हेतु, मोहराजा के साथ युद्ध करने हेतु निकल रहा हूँ। आशा है कि देव–गुरु कृपा से और आप सभी के आशीर्वाद से मैं जरुर सफलता को प्राप्त करूंगा।

अक्सर माता–पिता अपनी संतान को संस्कार देते हैं। किन्तु जब संतान अपने माता–पिता को संस्कार देती है, तब इतिहास बनता है।

कुछ इसी तरह मेरे पुत्र हर्षित (वर्तमान में : प.पू. महाशाल विजयजी म.सा.) ने यह कार्य बहुत अच्छे से निभाया है। उन्होंने धर्म मार्ग पर चलते हुए पूरे परिवार को भी संसार रूपी भव सागर पार करने की प्रेरणा दी है। मेरी बस यही श्री आदिनाथ दादा से प्रार्थना है कि भवों भवों तक ऐसा ही पुत्र मुझे प्राप्त हो। क्योंकि मैं अपने पुत्र का यह ऋण अन्य किसी भव में चुका सकूं।

मेरे पुत्र ने न सिर्फ अपने परिवार को तारा है। बल्कि पूरे डागा परिवार की सात पीढ़ियों को भव पार लगाया है। ऐसा पुत्र रत्न पाकर मैं और मेरा परिवार धन्य धन्य हो गया।

मेरे इस संयम मार्ग को प्रशस्त करने वाले मेरे सभी स्नेही स्वजन परिवार को मैं अनुज्ञा प्रदान करने पर धन्यवाद देता हुँ। मैं आप सभी का सदैव ऋणी रहूंगा।

आपका – नीलेश

हुआएँ अम अंतर की आज, जाओ आपको मिले संयम का राज।

मुमुक्षु

नीतादेवी डागा के हृदयोद्गार

मेरे आत्मीय स्वजन !

आप सभी के उपकारों का वर्णन कैसे करूं? आप सभी के बारे में जितना कहा जाये, कम ही होगा। बचपन से लेकर आज तक जीवन के हर मोड़ पर, मेरे सुख-दुःख में हमेशा आपका साथ रहा। आपकी उंगली पकड़कर मैं आज जिस मुकाम तक पहुँची हुँ उसमें आप सभी का योगदान रहा है। आप सभी से मेरी यही गुजारिश है कि मैं प्रभु के मार्ग पर आगे बढ़ने जा रही हूँ, मेरा यह मार्ग निष्कंटक बने और मैं परिवार के नाम को उज्वल करते हुए आत्मभाव में लीन रहूँ, ऐसे आशीर्वाद आप सभी बनायें रखना।

परमात्मा आदिनाथ। मैं आज, सचमुच धन्य हो गई।

प्रभु आज तूने मेरी पूजा को स्वीकार कर लिया, जिस दिन मैं अपने दिल के टुकड़े अपने बेटे को आपके मार्ग पर चलने के लिए मेरे गुरुदेव को सौंपा था, उस दिन से मेरी भी यही भावना थी कि कब मैं भी आपके और गुरुदेव के सान्निध्य में हर पल रहूँगी।

परमात्मा! मुझे आज खुद पर बहुत गर्व हो रहा है कि मैं आज अकेली नहीं किंतु अपने साथ अपने श्रावक और अपनी बेटी को भी लेकर आ रही हूँ।

हे प्रभु! आपकी कृपा से ही यह संभव हो पाया है, इस अवसर पर मैं अपने श्रावक नीलेशजी और बेटी के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ कि उन्होंने मेरी इच्छा को पूर्ण करने में मेरी सहायता की और मेरे साथ चारित्र मार्ग को स्वीकार कर रहें हैं। मैं बस यही चाहती हूँ कि मेरी कोई इच्छा न रहे, बस गुरु इच्छा ही मेरी इच्छा बने।

आपकी पुत्री/पुत्रवधु - नीता

मुमुक्षु नीतादेवी का परिवार

दादा सास-ससुरजी	:	श्रीमती मनोहरदेवी चाँदमलजी डागा
सास-ससुरजी	:	स्व. श्रीमती नीलमदेवी इन्द्रचन्द्रजी डागा
चाचा सास-ससुरजी	:	श्रीमती चन्दनबालादेवी महेन्द्रकुमारजी डागा
		श्रीमती संध्यादेवी राजेन्द्रकुमारजी डागा
		श्रीमती चन्द्रिकादेवी वीरेन्द्रकुमारजी डागा
पति	:	श्री नीलेश इन्द्रचन्दजी डागा
माता-पिता	:	श्रीमती राजकुमारीबाई सरदारमलजी नाहर
बुआ सास-ससुरजी	:	श्रीमती उमरावदेवी भीकमचंदजी छाजेड़
		श्रीमती विमलाबाई त्रिलोकचंदजी तांतेड़
		श्रीमती प्रेमबाई चन्दनमलजी संचेती
		श्रीमती कंचनदेवी प्रेमचंदजी बोथरा
		श्रीमती उषाबाई संतोषजी दर्डा
जेठ-जेठानी	:	श्रीमती आशादेवी सूर्यकुमारजी डागा
		श्रीमती पारसदेवी विजयकुमारजी डागा
		श्रीमती निशिजी जितेन्द्रकुमारजी डागा
		श्रीमती श्वेतादेवी नितिनकुमारजी डागा
		श्रीमती सीमादेवी नवीनकुमारजी डागा
देवर-देवरानी	:	श्रीमती मंजूदेवी प्रियांकजी डागा
		श्रीमती रानूदेवी हर्षजी डागा
भैया-भाभी	:	श्रीमती शोभादेवी अशोककुमारजी नाहर
बड़े पापा-मम्मी	:	स्व. फुलकंवर रिखबचन्दजी नाहर
चाचा-चाची	:	श्रीमती रतनबाई मणिकचन्दजी नाहर
		श्रीमती पुष्पा कमलचन्दजी नाहर
जीजा-जीजी	:	श्रीमती प्रमिलादेवी राजेन्द्रकुमारजी श्रीश्रीमाल
		श्रीमती ललितादेवी बसंतकुमारजी बडोला
बहन-बहनोई		श्रीमती निधि संदीपजी मुणोत
ननंद-ननदोईजी	:	श्रीमती प्राचीदेवी संदीपजी रांका
		श्रीमती हर्षिका सौरभजी कोचर
सांसारिक पुत्र	:	हर्षित डागा
		वर्तमान : प.पू. महाशालविजयजी म.सा.
पुत्री	:	खुशी डागा
भतिजा	:	रोनक डागा, जैनेश, नमन, आयुष नाहर
भतिजी	:	श्रीमती रुचिका सार्थक मोदी, श्रीमती रुपल अग्नि नाहर
		मानवी, आशी डागा, जैनिका, वेदिका, प्रियल नाहर

दुआएँ अब अंतर की आज, जाओ आपको मिले संयम का राज।

मुमुक्षु खुशीकुमारी का परिवार

परदादा-परदादी	:	श्रीमती मनोहरदेवी चाँदमलजी डागा
दादा-दादी	:	स्व. श्रीमती नीलमदेवी इन्द्रचन्द्रजी डागा
	:	श्रीमती चन्दनबालादेवी महेन्द्रकुमारजी डागा
		श्रीमती संध्यादेवी राजेन्द्रकुमारजी डागा
		श्रीमती चन्द्रिकादेवी वीरेन्द्रकुमारजी डागा
माता-पिता	:	श्री नीतादेवी नीलेश इन्द्रचन्दजी डागा
नाना-नानी	:	श्रीमती राजकुमारीबाई सरदारमलजी नाहर
बुआ दादासा-दादीसा	:	श्रीमती उमरावदेवी भीकमचंदजी छाजेड़
		श्रीमती विमलाबाई त्रिलोकचंदजी तांतेड़
		श्रीमती प्रेमबाई चन्दनमलजी संचेती
		श्रीमती कंचनदेवी प्रेमचंदजी बोथरा
		श्रीमती उषाबाई संतोषजी दर्डा
बड़े पापा-मम्मी	:	श्रीमती आशादेवी सूर्यकुमारजी डागा
		श्रीमती पारसदेवी विजयकुमारजी डागा
		श्रीमती निशिजी जितेन्द्रकुमारजी डागा
		श्रीमती श्वेतादेवी नितिनकुमारजी डागा
		श्रीमती सीमादेवी नवीनकुमारजी डागा
चाचा-चाची	:	श्रीमती मंजूदेवी प्रियांकजी डागा
		श्रीमती रानूदेवी हर्षजी डागा
मामा-मामी	:	श्रीमती शोभादेवी अशोककुमारजी नाहर
बड़े नाना-नानी	:	स्व. फुलकंवर रिखबचन्दजी नाहर
छोटे-नाना-नानी	:	श्रीमती रतनबाई मणिकचन्दजी नाहर
		श्रीमती पुष्पा कमलचन्दजी नाहर
मासीजी-मासाजी	:	श्रीमती प्रमिलादेवी राजेन्द्रकुमारजी श्रीश्रीमाल
		श्रीमती ललितादेवी बसंतकुमारजी बडोला
		श्रीमती निधि संदीपजी मुणोत
बुआ	:	श्रीमती प्राचीदेवी संदीपजी रांका
		श्रीमती हर्षिका सौरभजी कोचर
भाई	:	हर्षित डागा
		वर्तमान : प.पू. महाशालविजयजी म.सा.
भाई	:	रोनक डागा, जैनेश, नमन, आयुष नाहर
बहन	:	श्रीमती रुचिका सार्थक मोदी, श्रीमती रुपल अग्रि नाहर
		मानवी, आशी डागा, जैनिका, वेदिका, प्रियल नाहर

मुमुक्षु खुशी के हृदयोद्गार

मेरे प्यारे मम्मी-पापा

सचमुच आज मैं धन्य हो गई, मुझ पर अपार वात्सल्य-प्रेम बरसाकर आपने तो विश्व के समक्ष यह सिद्ध कर दिया कि 'जीवन में माता-पिता मिले, तो कैसे मिले!' जिन्होंने अपना निजी स्वार्थ छोड़कर अपने इकलौते पुत्र को प्रभु शासन के लिए समर्पित किया और आज अपने साथ-साथ मुझे भी इस संसार रुपी भवसागर को पार करने हतु प्रभु मार्ग/चारित्र मार्ग पर चलने की अनुमति प्रदान कर जो उपकार किया है उसका बदला शायद ही किसी भव में चुका पाऊंगी।

ओ मेरे प्यारे मम्मी-पापा! मुझे इतना आशीर्वाद दें कि मैं जिस मार्ग पर जा रही हूँ वहाँ गुरु की आज्ञा का पालन कर स्व-पर की आत्मा का कल्याण करूँ। प्रभु पंथ और अपने कुल का नाम सदा उज्ज्वल करुं। मेरी एक ही इच्छा है कि जल्दी से जल्दी प्रभु महावीर के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए आपके उपकारों को यत्किंचित् चुकाने का प्रयास कर सकुं। बस इतना आशीर्वाद चाहिये।

आपकी लाड़ली पुत्री - खुशी

परम पावनी पारमेश्वरी प्रव्रज्या का मंगल कार्यक्रम

1st Day

वि.सं.२०८१ फाल्गुन सुदि-१

28-02-25

FRIDAY

प्रातः 6.00 बजे : शहनाई वादन

प्रातः 6.30 बजे : सामूहिक प्रभु दर्शन, भक्तामर

प्रातः 7.00 बजे : गुरु भगवंतों का संयम उद्यान में प्रवेश एवं मांगलिक

प्रातः 8.00 बजे : नवकारशी

प्रातः 9.00 बजे : सिद्धचक्र महापूजन

दोपहर 12.00 बजे : साधर्मिक भक्ति

दोपहर 2.00 बजे : वस्त्र पर केसर छांटना, मेंहदी रसम

शाम 5.00 बजे : चौविहार

रात्रि 8.00 बजे : संध्या भक्ति

2nd Day

वि.सं.२०८१ फाल्गुन सुदि-२

01-03-25

SATURDAY

प्रातः 6.00 बजे : शहनाई वादन

प्रातः 6.30 बजे : प्रभु दर्शन, भक्तामर

प्रातः 7.00 बजे : मांगलिक प्रवचन

प्रातः 8.00 बजे : नवकारशी

प्रातः 9.00 बजे : **वर्षीदान यात्रा**

दोपहर 12.00 बजे : स्वामीवात्सल्य

दोपहर 3.00 बजे : बहुमान कार्यक्रम

शाम 4.00 बजे : मुमुक्षु का अंतिम वंदोला

शाम 5.00 बजे : साधर्मिक भक्ति

शाम 7.00 बजे : कुमारपाल महाराजा की आरती

रात्रि 8.00 बजे : मुमुक्षु विदाई समारोह

3rd Day

वि.सं.२०८१ फाल्गुन सुदि-३

02-03-25

SUNDAY

प्रातः 5.00 बजे

मंगल दीक्षा विधि प्रारंभ

प्रातः 8.15 बजे : साधर्मिक भक्ति

दोपहर 12.00 बजे : स्वामीवात्सल्य

शाम 5.00 बजे : चौविहार

सिद्धि-समर्पण यात्रा के लाभार्थी

महोत्सव के मुख्य लाभार्थी एवं दीक्षार्थी की छाब के लाभार्थी

सुश्राविका डॉ. प्रीतमबेन सज्जनसिंहजी सिंघवी परिवार

सुपुत्र : संजय, संदीप, सुपुत्रवधु : मित्रा, अनु

पौत्र-पौत्री : कुश, आरुष, भव्य, रिद्धि

(उदयपुर-अहमदाबाद)

संयम-उद्यान के लाभार्थी

श्री कनकबेन वसंतलाल वोरा

एवं समस्त परिवार

हस्ते : अर्चना-अक्षय अमेरिका-कलकत्ता

भरतचक्रवर्ती भोजन खण्ड के लाभार्थी

मातुश्री मंजुलाबेन बचुलाल

मफतलाल शेठ परिवार

(सुरेल निवासी, हाल-अहमदाबाद)

प्रथम दिवस नवकारशी के लाभार्थी

स्व. श्री इंद्रचन्दजी नीलमदेवी डागा

हस्ते - नितिन श्वेताजी डागा

पुत्र : रोनक डागा, पुत्री : रुचिका सार्थक मोदी

हाल भोपाल निवासी

प्रथम दिवस स्वामिवात्सलय के लाभार्थी

मुनि जयकारविजयजी म.सा. की प्रेरणा से

सुश्रावक योगेशभाई ईश्वरलाल कपासी,

मीनाबेन योगेशभाई कपासी,ठाणे

प्रथम दिवस चौविहार साधर्मिक भक्ति के लाभार्थी

सुश्राविका चन्द्रिकाबेन अजितकुमार

भूपतराय पारेख घोघावाला, हाल - मुंबई

द्वितीय दिवस नवकारशी के लाभार्थी

सुश्राविका वैशाली जयेशभाई मेहता

जयेश अजितभाई मेहता

रिषभ जयेशभाई मेहता

ऋतु ध्रुवीन शाह (अहमदाबाद)

सिद्धि–समर्पण यात्रा के लाभार्थी

द्वितीय दिवस स्वामिवात्सल्य के लाभार्थी

सुश्राविका वैशाली जयेशभाई मेहता
जयेश अजितभाई मेहता, रिषभ जयेशभाई मेहता
ऋतु ध्रुवीन शाह (अहमदाबाद)

द्वितीय दिवस चौविहार साधर्मिक भक्ति के लाभार्थी

जैन श्रावक संघ, अंटाली

तृतीय दिवस सम्पूर्ण दिक्षा दिवस की साधर्मिक भक्ति के लाभार्थी

श्रेष्ठीवर्य रीखबचंद त्रिभोवनदास
दोशी परिवार
वाववाला-हाल सुरत

सिद्धचक्र महापूजन के लाभार्थी

मुनि जयकार विजयजी म.सा. के सांसारी परिवार
रत्नकुक्षि माता शारदाबेन जयकुमार शाह
हस्ते - जिगर-अ.सौ. दर्शना, भव्य-अ.सौ. शिवानी,
अ.सौ. रुपाबेन नविनचंद्र
(अहमदाबाद)

वर्षीदान यात्रा के लाभार्थी

श्रेष्ठीवर्य चन्द्रकांतभाई अमृतलाल शाह
हस्ते- भद्राबेन चन्द्रकान्तभाई, पिनाकीन चन्द्रकान्तभाई
सोनाली पिनाकीनभाई, पक्षाल पिनाकीनभाई,
क्रिष्मा पिनाकीनभाई, जाल नरीमान मेहता, झिवा पक्षालभाई,
आर्या पक्षालभाई शाह (पाटणवाला), हाल-मुंबई

वस्त्र कुमकुम केसर रंगाई कार्यक्रम के लाभार्थी

श्री अशोककुमारजी, आयुषकुमारजी नाहर परिवार (भोपाल)
श्रीमान शिखरचन्दजी, नरेन्द्रकुमारजी,
वसन्तकुमारजी, सौरभकुमारजी बडोला परिवार
(बागली)

आवास निवास व्यवस्था के लाभार्थी

श्री शंखेश्वर पार्श्व बाफना जैन तीर्थ
श्रीमती प्रेमलता श्री दुलीचंद बाफना शिखरजी चेरिटेबल ट्रस्ट
श्रीमती प्रेमलता, सुरेन्द्र–रेखा, नरेन्द्र–ममता,
सौरभ–सोनाली, श्रेयांश, आध्या बाफना परिवार, बिजयनगर

अंटाली में दीक्षा महोत्सव पर रजत स्तंभ का लाभ लेने वाले लाभार्थी

१. भंवरलालजी, शांतिलालजी, पारसमलजी, अशोककुमारजी, पंकजकुमारजी, महावीरजी, वैभवजी बाबेल - अंटाली

२. घीसालालजी, पारसमलजी, राजेंद्रकुमारजी, देवेंद्र, प्रवीण, जितेंद्र, महावीर, अजीत बाबेल-अंटाली

३. पुखराजजी, सुनीलकुमारजी, सौरभकुमारजी, सुमितकुमारजी बाबेल-अंटाली

४. पारसमलजी, राहिलकुमारजी, नितिनकुमारजी लोढ़ा एवं संपतराजजी, निर्मलकुमारजी, सुशीलकुमारजी, नमन, प्रज्ञान, हियांशजी मेहता-अंटाली

५. नोरतमलजी, महावीरजी, अरिहंतजी भटेवडा-अंटाली एवं राजेंद्रकुमारजी, दिव्यांश, जयांशजी सुकलेचा (आगूचा) भीलवाड़ा

६. पारसमलजी, महावीरप्रसादजी, प्रकाशचंदजी, शीतलकुमारजी, मोहितकुमारजी, शुभमकुमारजी, हर्षकुमारजी मेहता-अंटाली

७. श्रीमती मालतीबेन दीलिपभाई वोरा -सुरेन्द्रनगर

८. श्रीमती कमलादेवी रिखबचंदजी सिरोहिया-बीकानेर

दीक्षा महोत्सव के आकर्षण

*** स्वर-संगीत ***
जीरावला भक्ति संगीत मंडल
गौरक्षक त्रिलोक मोदी, अहमदाबाद

*** मंच संचालन ***
मोन्टु जैन, सूरत

*** विधिकारक ***
विपुलभाई जैन पालीवाले

*** साज सज्जा ***
कृपा इवेन्ट आयुष जैन, उज्जैन

*** इवेन्ट मेनेजमेंट ***
जे.डी. इवेन्ट, अहमदाबाद

*** संपर्क सूत्र ***
पारसजी बाबेल–9950512415,
देवेन्द्रजी बाबेल–9413054770

*** आवास निवास व्यवस्था ***
सुनीलजी बाबेल–7568163929
जे.डी. इवेन्ट सोल्युशन
9913780125

जय जिनेन्द्र !

प्रवर्तिनी पू. सा. श्री चन्द्रोदयाश्रीजी म.सा. के संसारी परिवार

शेठ मानसंग भोजराज परिवार

अ.सौ. सरोजबेन नविनचंद्र शाह

ह. भूषणभाई शाह

(अंटाली तीर्थ जीर्णोद्धारक एवं मार्गदर्शक)

तथा

शेठ श्री स्व. इन्द्रचन्द्रजी नीलमदेवी डागा परिवार

हस्ते : नितिन-श्वेता डागा,
नवीन-सीमा डागा, नीलेश-नीता डागा एवं
समस्त डागा परिवार

Mamta Creation # 7738408740